सीआईएमपी में राज्यभर की महिला उद्यमियों पर कार्यशाला में निकली बात

स्टार्टअप के लिए आवेदन में पिछड़ रही हैं महिलाएं

पटना • डीबी स्टार

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना में बिहार की महिला उद्यमियों के लिए "जेंडर कैपिटल, स्टार्ट-अप्स एंड इनक्लूसिव ग्रोथ" विषय पर सेंटर फॉर सोशल एंटरप्रेन्योरशिप एंड स्टार्ट-अप इनक्यूबेशन सेंटर के तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मैनचेस्टर मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी (यूके), एसेक्स विश्वविद्यालय (यूके) और सीआईएमपी के स्टार्ट अप इन्क्यूबेशन सेंटर के संयुक्त कोलेबोरेशन से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य छोटे व्यवसायों और स्टार्ट-अप को बढ़ावा देना है। साथ ही बिहार राज्य में समावेशी विकास पर ध्यान केंद्रित करना तथा महिलाओं और अन्य हाशिए के समूहों को विकास नीतियों में शामिल करना है। एसेक्स बिजनेस स्कूल में ग्लोबल डेवलपमेंट व अकाउंटेबिलिटी के प्रोफेसर थैंकॉम अरुण और लैंगिक मुद्दों पर शिक्षण व शोधकर्ता डॉ. शोभा ने भी इस कार्यशाला में भाग लिया।

20 महिला उद्यमी शामिल हुईं

इस कार्यशाला में कुल 20 महिला उद्यमियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों में रीना सिन्हा (होम बेकिंग), पल्लवी (ड्रेस डिजाइनिंग), संगीता दूबे (मधुबनी आर्ट), स्वाति आनंद (अर्बनकेयर), किरण रंजन (सुमन वाटिका), वीणा वर्मा (एप्लके), मेनका सिन्हा (हाथ प्रिंट, ब्लॉक प्रिंट, मधुबनी आर्ट एंड ब्यूटी पार्लर), सबीना सिन्हा (पारंपरिक विज्ञापन), उषा झा (पेटल क्राफ्ट), रश्मि, श्रेया सुरभि, पम्मी कुमारी, रोशनी आकांक्षा रॉय, फरहत नाज, खुशबू सिन्हा, खुशबू कुमारी, श्रीमती प्रकाश, अतिशा पराशर शामिल थी।

प्रोफेसर अरुण ने कार्यशाला शुरू करते हुए कहा कि उद्यमी "सामाजिक परिवर्तन के एजेंट" हैं और उद्यमशीलता आर्थिक विकास के साथ ही नौकरी सृजन का काम करता है। उन्होंने कहा कि महिला परिवार हैं, वे "अवैतनिक श्रमिक" हैं, लेकिन वे सभी व्यवसायों की मूल हैं। डॉ. अरुण ने "मम-पिनर्स" और "लिपस्टिक-एंटरप्रेन्योर्स" शब्द को समेकित करके समझाया। उन्होंने बिहार के उद्यमियों द्वारा फेस किए जा रहे चुनौतियों पर भी विचार-विमर्श किया। इससे पहले उद्योग विभाग बिहार सरकार के प्रधान सचिव डॉ. एस एस सिद्धार्थ ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। उन्होंने स्टार्टअप के लिए आवेदन करने वाली महिलाओं की कम संख्या पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि कंपनियों के प्रोमोटरों में से ज्यादातर महिलाएं हैं, लेकिन वे निष्क्रिय भागीदार की तरह हैं।

सीआईएमपी के निदेशक डॉ. वी मुकुंद दास ने कहा कि विदेशी सहयोगियों के साथ मिलकर यह कार्यशाला आयोजित की गई है। गुजरात के आनंद मॉडल की तरह यह बिहार मॉडल के स्टार्टअप की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्यशाला से भविष्य में महिला उद्यमियों के साथ बिहार का भी लाभ होगा।

Dainik Bhaskar (DB Star) Page NO-03
Date:-21/12/2017

सीआइएमपी में महिला उद्यमियों को मिले टिप्स

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) में बुधवार को बिहार की महिला उद्यमियों के लिए 'जेंडर कैपिटल, स्टार्ट-अप्स एंड इनक्लूसिव ग्रोथ' पर सेंटर फॉर सोशल एंटरप्रेन्योरशिप एंड स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मैनचेस्टर मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी (यूके), एसेक्स विश्वविद्यालय (यूके) और सीआइएमपी के स्टार्टअप इन्क्यूबेशन सेंटर की संयुक्त पहल से इसका आयोजन किया गया है। वक्ताओं ने कहा कि इसका उद्देश्य छोटे व्यवसाय और स्टार्टअप को बढ़ावा देना है। सूबे में समावेशी विकास, महिलाओं और अन्य हाशिए के समूहों के विकास के लिए नीति निर्धारण है। एसेक्स बिजनेस स्कूल में ग्लोबल डेवलपमेंट व अकाउंटेबिलिटी के प्रो. थैंकॉम अरुण ने कहा कि उद्यमी सामाजिक परिवर्तन के लिए हैं। उद्यमशीलता आर्थिक विकास के साथ ही नौकरी सृजन का काम करता है। उन्होंने कहा कि महिला परिवार में अवैतनिक श्रमिक हैं, लेकिन वे सभी व्यवसायों की मूल हैं।

उद्योग विभाग के प्रधान सचिव डॉ. एसएस सिद्धार्थ ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। स्टार्टअप के लिए आवेदन करने वाली महिलाओं की कम संख्या पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सामने प्रमुख चुनौती यह है कि विवाह के बाद जगह, लोगों और संसाधनों में परिवर्तन करना होता है। आंकड़े बताते हैं कि कंपनियों के प्रोमोटरों में से ज्यादातर महिलाएं हैं, लेकिन वे निष्क्रिय भागीदार की तरह हैं। उन्होंने कहा कि वे महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा रहे हैं। उन्होंने सीआइएमपी के छात्रों से महिला कॉलेजों में कार्यक्रम कर महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अभियान चलाने की अपील की। सीआइएमपी के निदेशक डॉ. वी. मुकुंद दास ने कहा कि विदेशी सहयोगियों के साथ मिलकर यह कार्यशाला आयोजित की गई है।

Dainik Jagran (Jagran city) Page No-2
Date:-21/12/2017

कैम्पस वॉल

बुधवार को सीआईएमपी में आयोजित सेमिनार को संबोधित करतीं शोभना अरुण।

Hindustan Yuva Page No-03
Date:-21/12/2017

'स्टार्टअप शुरू करने में महिलाएं काफी पीछे'

सीआईएमपी

पटना | कार्यालय संवाददाता

स्टार्टअप शुरू करने में महिलाएं काफी पीछे हैं। इनके आवेदन काफी कम आ रहे हैं। स्टार्टअप को शुरू करने में महिलाओं के समक्ष कई चुनौतियां हैं।

ये बातें उद्योग विभाग के प्रधान सचिव डा. एस सिद्धाथ ने चन्द्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में कहीं। जेंडर कैपिटल स्टार्टअप एंड इनक्लूसिव ग्रोथ विषय पर कार्यशाला में एस सिद्धार्थ ने सीआईएमपी के छात्रों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि उन्हें महिला उद्यम को बढ़ाने के लिए आगे आना चाहिए।

एसेक्स बिजनेस स्कूल के प्रो. थैंकम अरुण और रिसर्चर डा. शोभा ने भी कार्यशाला में भाग लिया। संस्थान के निदेशक डा. बी मुकुंद दास ने कहा कि यह प्रोजेक्ट यूके मैनचेस्टर मेट्रोपोलिटन यूनिवर्सिटी, एसेक्स यूनिवर्सिटी और सीआईएमपी की ओर से चलाया जा रहा है। इस कार्यशाला में 20 महिला उद्यमियों ने भाग लिया।

Hindustan (Hindi) Page No-27
Date:-21/12/2017

CIMP organises two-day workshop on gender capital, start-ups

Our Correspondent

PATNA: Chandragupta Institute of Management, Patna organised a two-day workshop under the aegis of Centre for Social Entrepreneurship and Start-up Incubation Centre on "Gender Capital, Start-ups and Inclusive Growth" in its premises for the women entrepreneurs of Bihar. This collaborative project between the Manchester Metropolitan University (UK), The University of Essex (UK) and the Start Ups Incubations Centre of CIMP aims to promote small businesses and Start-ups. The focus was more on inclusive growth in the state of Bihar which aims to promote the inclusion of women and other marginalised groups in its developmental policies.

Prof Thankom Arun, who is Professor of Global Development and Accountability at the Essex Business School and Dr Shoba, who is an active and enthusiastic academic researcher with substantial teaching and research interest on gender issues participated.

Prof Arun initiated the pre-workshop session by saying that the entrepreneurs are "Agents of social change" and entrepreneurship leads to economic growth as well as job creation. Further he added that woman is family's unpaid labour," but a secret ingredient of all business. He continued the workshop by coining and explaining the term "mum-preneurs" and "lipstick-entrepreneurs," who suit family as well as business. They also discussed the challenges that the entrepreneurs of Bihar are currently facing- scaling up of operations and breaking the threshold.

S Siddharth, IAS, Principal Secretary, Department of Industries, Government of Bihar inaugurated the workshop. He threw light upon the low number of women entrepreneurs applying for start-ups.

Prof Arun initiated the pre-workshop session by saying that the entrepreneurs are "Agents of social change" and entrepreneurship leads to economic growth as well as job creation

Major challenges coming in front of them is that they have to relocate after marriage which leads to change in place, people and resources. They are taking major steps to promote women entrepreneurship. According to data, majority of the promoters in the companies are women, but only a passive participant.

He motivated CIMP students to run a campaign with a motive of promoting women entrepreneurship amongst women of Bihar by organising several events in women's colleges. Further, Dr V Mukunda Das, Director, CIMP said that this workshop is collaboration with foreign associates and a Bihar Model of start-up like Anand Model of Gujrat. Further he added that the women entrepreneurs, as well as the state of Bihar, will be benefitted in future.

A total of 20 women entrepreneurs attended the workshop. Participants were Reena Sinha (Home Baking), Pallavee (Dress Designing), Sangeeta Dubey (Madhubani Art), Swati Annad (UrbanKare), Kiran Ranjan (Suman Vatika), Veena Verma (Applique), Menka Sinha (Hand Print, Block Print, Madhubani Art & Running Beauty Parlour), Sabina Sinha (Traditional Advertisement), Usha Jha (Petalscraft), Rashmi, Shreya Surabhi, Pammi Kumari, Roshni Monga, Aakanksha Roy, Farhat Naaz, Khushboo Sinha, Khushboo Kumari, Shristi Prakash, Atisha Parasher.

राज्य की महिलाओं में है बदलाव लाने की क्षमता

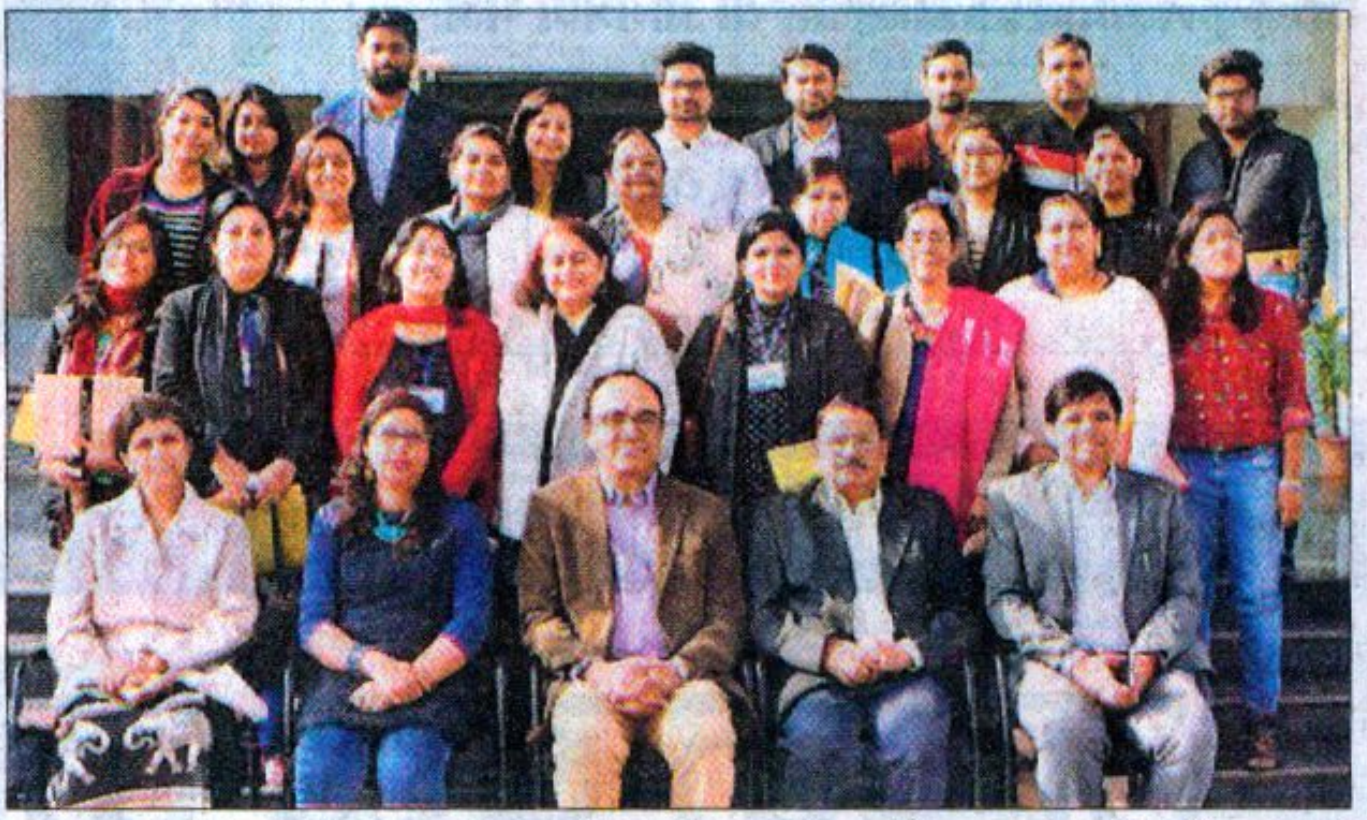

पटना. वीमेन आंत्रप्रिन्योरशिप को आगे बढ़ाने, उन्हें समृद्ध करने और उनकी बेहतरी के लिए ठोस पहल करने की जरूरत है. यह बात राज्य सरकार के इंडस्ट्री डिपार्टमेंट के प्रधान सचिव डॉक्टर एस सिद्धार्थ ने बुधवार को चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना में जेंडर कैपिटल, स्टार्टअप एंड इंक्लूसिव ग्रोथ विषय पर आयोजित एक दिवसीय आयोजन के दौरान कही. इस मौके पर संस्थान के निदेशक प्रो वी. मुकुंद दास, एसेक्स बिजनेस स्कूल के प्रो टी अरूण व रिसर्चर डॉक्टर शोभा के अलावा कई फैकल्टी व वीमेन आंत्रप्रिन्योरशिप उपस्थित थे. मैनचेस्टर मेट्रोपॉलिटिन यूनिवर्सिटी (ब्रिटेन), द यूनिवर्सिटी ऑफ एसेक्स (ब्रिटेन) व स्टार्टअप इंक्यूबेशन सेंटर ऑफ सीआइएमपी के तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य वीमेन व अन्य माइजिनलाइज्ड ग्रुप को प्रमोट करना था.

Prabhat Khabar Page No-12
Date:-21/12/2017